Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding inclusive and enthusiastic participation of Hon'ble Members of the House in discussion on COVID-19 situation in the country.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कल कोविड-19 जैसे गंभीर विषय पर सदन ने गंभीर चिंतन और मनन किया । सदन देर रात्रि 12 बजकर 20 मिनट तक चला । मैं सभी माननीय सदस्यों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने देर रात्रि तक बैठकर इस चर्चा में सहभागिता निभाई । करीब 11 घंटे तक इस विषय पर चर्चा चली । इस सकारात्मक चर्चा और संवाद के लिए हमारे जनप्रतिनिधि अपनी जनता के लिए चिंतित रहते हैं । कोविड के समय इस गंभीर महामारी में होने के बाद भी उन्होंने जनता के बीच में रहकर सभी सामाजिक संस्थाओं को लेकर काम किया, इसके लिए मैं सभी माननीय सदस्यों को धन्यवाद देता हूं । क्योंकि, यह देश की लोकतांत्रिक संस्था है और यहां से संदेश नीचे तक की संस्थाओं में जाता है । जनप्रतिनिधि जितना सामाजिक काम करेंगे, जितना सामाजिक दायित्व निभाएंगे, उतना ही सकारात्मक वातावरण जनप्रतिनिधि के प्रति बनेगा । कल की प्रोडक्टिविटी लगभग 200 प्रतिशत रही, जो आज तक में इतिहास रही है ।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, सदन की तरफ से आपसे यह मांग की गई थी, हम सभी लोगों ने मांग की थी कि कोविड पर चर्चा करनी चाहिए । आपने तुरंत सिर्फ हमारी मांग ही नहीं मानी बल्कि एक दिन बाद ही इस विषय पर चर्चा शुरू करा दी । हम सभी सदन की तरफ से आपकी सराहना करते हैं । यह आपकी पहल के चलते ही हुआ है । आपकी इतनी दिलचस्पी है कि आपके साथ-साथ सदन के सारे मैम्बर्स, 12 बज गए, लेकिन किसी को इसमें कोई ऐतराज नहीं था । क्योंकि, जब आप इसकी अगुवाई करते हैं तो हम सारे मैम्बरों को इसमें सवाल करने का अधिकार नहीं है । हम लोगों ने इसको मान्यता देते

हुए इस विषय पर चर्चा की है और शिरकत की है । माननीय मंत्री जी ने भी बहुत ध्यानपूर्वक सबकी बातों को सुना है । अब वे जवाब देंगे ।

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): सर, यह मैं हाउस के लिए बताना चाहता हूं कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी मीटिंग में प्रस्ताव हुआ था कि नियम 193 के अधीन चार घंटे तक डिबेट होगी, आपने अचानक चेयर से बोला कि चार घंटे ही क्यों, यह डिबेट 12 घंटे तक होगी । यह मैंने भी सुना कि कौन 12 घंटे चर्चा चलता है । मैंने लोक सभा की बहुत सारी बिजनेस एडवाइजरी कमेटी मीटिंग्स की हैं, लेकिन 12 घंटे तक चर्चा चले, यह बात स्वयं स्पीकर के मुख से आती है, यह भी आपने एक रिकॉर्ड बना दिया । धन्यवाद ।

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): अध्यक्ष महोदय, मुझे इसमें एक बात जोड़नी है । रात के 12 बजकर 20 मिनट पर सत्र समाप्त हुआ था । इस चर्चा में महिला जनप्रतिनिधि, जो सांसद हैं, वे भी बैठी थीं । आपको उनको भी धन्यवाद देना चाहिए । उस समय महिला सांसद भी यहां मौजूद थीं । एक नहीं, कई महिला सांसद थीं ।

माननीय अध्यक्ष : जो माननीय सदस्य देर रात्रि तक बैठे थे, उनको विशेष रूप से शून्यकाल में मौका मिलेगा । मैंने सब लिस्ट बना रखी है । जो सदन में ज्यादा देर तक बैठेगा, ज्यादा सहभागिता दिखाएगा, उसको शून्यकाल में पर्याप्त अवसर मिलेगा । क्या आप सब इस बात से सहमत हैं?

अनेक माननीय सदस्य: जी सर ।

श्री अर्जुन राम मेघवाल: सर, अच्छी चर्चा थी । उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं ।

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): सर, सोमवार को ही हो जाए ।

माननीय अध्यक्ष : निशिकांत जी बैठे रहते हैं, इसलिए?